

SECTION-A

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 250 शब्दों में
निबंध लिखिए।

[15]

1. मनुष्य की इच्छाएँ असीमित हैं। वह कभी पूरी नहीं हो सकती। इसलिए मानव को संतोषी होना चाहिए। नीचे दी गई उक्ति को ध्यान में रखकर एक प्रस्ताव लिखिए।
"जब आवे संतोष धन, सब धन धूरि समान"
2. "निरक्षरता एक सामाजिक अभिशाप है"— इस विषय पर अपने विचार लिखिए।
3. "साँच को आँच नहीं"— इस सुवाक्य के आधार पर एक मौलिक कहानी लिखिए।
4. आवासीय विद्यालय (Bording School) की छात्रों के जीवन में क्या उपयोगिता हो सकती है। ऐसे विद्यालयों की अच्छाइयों तथा बुराइयों के बारे में बताते हुए वर्तमान में इनकी आवश्यकता पर अपने विचार लिखिए।
5. प्रस्तुत चित्र को ध्यानपूर्वक देखिए और चित्र पर आधारित कोई लेख, घटना अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।



प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

[7]

1. आप अपने मित्रों के साथ किसी पर्वतीय क्षेत्र की यात्रा के लिए गए थे। वहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन करते हुए अपने चाचा जी को पत्र लिखिए।
2. वाहन चालकों की असावधानी के कारण सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं का वर्णन करते हुए किसी समाचार-पत्र के संचालक को पत्र लिखिए।

प्रश्न 3 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर यथासंभव अपने शब्दों में लिखिए।

प्राचीनकाल में अष्टावक नाम के एक महर्षि हुए, जो अत्यंत विद्वान और ज्ञानी थे। अष्टावक शरीर से विकलांग और आठ अंगों से टेढ़े थे। वे ठीक से चल भी नहीं सकते थे। उनकी कुरूपता देखकर सब उन पर हँसते थे। कहते हैं किसी शाप के कारण ही उनका जन्म इस रूप में हुआ और नाम मिला— अष्टावक। अपनी कुरूपता और विकलांगता को अष्टावक ने कभी अपने मार्ग का बाधा बनने नहीं दिया। वे मानते थे शरीर से आत्मा बड़ी है। शरीर भले ही टेढ़ा-मेढ़ा हो पर आत्मा सुंदर और शुद्ध होनी चाहिए। अष्टावक बचपन से ही ज्ञानी थे और उनमें विद्या प्राप्ति की लालसा थी। बारह वर्ष की उम्र तक वे महान विद्वान बन गए थे। एक बार अपने पिता के बारे में पूछते हुए उन्हें ज्ञात हुआ कि उनके पिता को राजा जनक के दरबार में एक विद्वान से शास्त्रार्थ में पराजित होने के कारण अपमानित होना पड़ा। दंड भी मिला था। बस! अष्टावक ने उसी समय निश्चय किया कि वे राजा जनक के दरबार में जाकर उस विद्वान से शास्त्रार्थ करेंगे और उसे हरा देंगे। वे जैसे ही राजा के सन्मुख पहुँचे कि सभी सभासद जोर-जोर से हँसने लगे। यहाँ तक कि राजा जनक भी अपनी हँसी पर नियंत्रण नहीं रख पाए। अष्टावक ने जोर से ठहाका मारा। सभासदों की हँसी की आवाज़ इस ठहाके से दब गई। सभी स्तब्ध थे। राजा जनक भी अचंभित थे। उनसे रहा न गया। पूछा, "बालक! तुम इतनी जोर से क्यों हँसे?" अष्टावक ने प्रश्न के उत्तर में प्रश्न किया, "राजन! आप पहले बताएँ कि आप क्यों हँसे?" राजा जनक कुछ क्षण तो चुप रहे, पर उत्तर तो देना ही था। बोले, "बालक! वास्तव में हमारे हँसने का कारण तुम्हारी कुरूपता ही थी। मैं अपनी और अपने सभासदों की अशिष्टता के कारण क्षमाप्रार्थी हूँ।" अब अष्टावक ने कहा, "राजा जनक, मैंने सुना था कि आपकी सभा में बड़े-बड़े विद्वान और ज्ञानी व्यक्ति हैं और मैं उनसे शास्त्रार्थ करने आया था, पर मुझे तो यहाँ सब हाड़-मांस के शरीर के पुजारी लगते हैं। ये तो शरीर को ही देख रहे हैं, ज्ञान को तो भुला चुके हैं।" राजा जनक को आश्चर्य हुआ, क्या इतनी कम उम्र में कोई विद्वान हो सकता है? उन्होंने प्रश्न किया, "मुझे यह बताएँ कि ज्ञान कैसे प्राप्त होता है और मुक्ति कैसे मिलती है?" "राजन यदि ज्ञान चाहते हो तो अहंकार त्याग कर सबसे सीखो और मुक्ति चाहते हो तो भोग को विष के समान त्याग दो। क्षमा, दया, संतोष, सरलता और सत्य को हृदय में धारण करो।" राजा ने अनेक प्रश्न पूछे। अष्टावक ने शांत भाव से विद्वत्पूर्ण उत्तर दिए। अनुमति मिलने पर उन्होंने सभापंडितों से शास्त्रार्थ किया और उन्हें हरा दिया। अष्टावक ने अपनी पूरी आयु ज्ञान की आराधना की, उन्होंने अपने शरीर को अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति पर कभी हावी नहीं होने दिया।

1. अष्टावक कौन थे और उन्हें अष्टावक क्यों कहते थे ? [2]
2. अष्टावक किस उद्देश्य से राजा जनक के दरबार में शास्त्रार्थ करने के लिए गए थे ? [2]
3. अष्टावक को देखते ही समासदों और राजा जनक की हँसी क्यों छूट गई ? [2]
4. राजा जनक द्वारा अष्टावक से ज्ञान और मुक्ति की प्राप्ति की विधि पूछे जाने पर अष्टावक ने क्या कहा ? [2]
5. अष्टावक के किन गुणों के कारण उसे ज्ञानी माना गया ? [2]

प्रश्न 4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए।

(क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :- [1]
परमार्थ, प्रख्यात, निर्जीव, आरोह

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के विशेषण शब्द बनाइए :- [1]
विष्णु, गति, पंक, राष्ट्र

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए :- [1]
समीप, बचाना, भावुक, बहना

(घ) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :- [1]
पक्षी, पर्वत, उद्देश्य, जन्म

(ङ) निम्नलिखित में से किसी एक मुहावरे का वाक्य बनाइए :- [1]
1. मिट्टी का माघो 2. चाँद पर थूकना

(च) कोष्ठक में दिए निर्देश के अनुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए:- [3]
1. मुझसे यह गुलदस्ता टूट गया। (वचन बदलकर वाक्य लिखिए।)
2. आजकल कोई भी चीज सस्ती नहीं है। ('नहीं' हटाइए परंतु वाक्य का अर्थ न बदले।)
3. उसका प्रयास प्रशंसा के योग्य है। (रेखांकित शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कीजिए।)

SECTION-B

NOTE-ATTEMPT ANY FOUR QUESTIONS FROM THIS SECTION

साहित्य सागर (संक्षिप्त कहानियाँ)

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

प्रश्न 5. " दशहरे के दिनों में वे बड़े उत्साह से रामलीला में सम्मिलित होते और स्वयं किसी ना किसी पात्र का अभिनय करते थे। प्राचीन सभ्यता का गुणगान उनकी प्रकृति का प्रधान अंग था।"

1. यहाँ किसके विषय में बात हो रही है ? परिचय दीजिए। [2]

2. वे किस प्रथा के समर्थक थे और सम्मिलित कुटुंब के विषय में उनके क्या विचार थे ? [2]
3. आनन्दी कौन थी और उसने नई और पुरानी परिस्थितियों को कैसे सँभाला ? [3]
4. 'बड़े घर की बेटी' कहानी का संदेश लिखिए। [3]

प्रश्न 6. मैंने श्यामला बाबू से पूछा— "क्या तुम्हारे पास यही दो कमरे हैं ? "

1. लेखक के उक्त प्रश्न की पृष्ठभूमि स्पष्ट कीजिए। [2]
2. लेखक को मित्र ने मकान की क्या समस्या बताई ? [2]
3. पहले की तुलना में शहर क्यों फैलते जा रहे हैं ? [3]
4. 'भीड़ में खोया आदमी' कहानी का उद्देश्य लिखिए। [3]

प्रश्न 7. " एक चवन्नी का आविष्कार करके वह तुरंत वहाँ से भाग गया। "

1. चवन्नी के आविष्कार से लेखक का क्या अभिप्राय है ? उस आविष्कार करने वाले का परिचय दीजिए। [2]
2. चवन्नी के आविष्कार को इसके पिता ने क्या नाम दिया और क्यों ? [2]
3. चवन्नी के आविष्कार करने के बाद बालक ने क्या किया ? क्या वह अपने इस कार्य में सफल हो पाया ? [3]
4. 'काकी' कहानी के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए। [3]

साहित्य सागर (कविताएँ)

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

प्रश्न 8. मैया मेरी, चंद्र खिलौना लैहों ।।
धौरी को पय पान न करिहों, बेनी सिर न गुथैहों ।
मोतिन माल न धरिहों उर पर, झुंगली कंठ न लैहों ।।
जैहों लोट अबहिं धरनी पर, तेरी गोद न ऐहों ।
लाल कहैहों नंद बबा को, तेरो सुत न कहैहों ।।

1. यहाँ कौन, किससे क्या माँग रहा है ? [2]
2. खिलौना न मिलने पर वे क्या-क्या करने से मना कर देते हैं ? [2]
3. माँ को डराने व अपना रूठना दिखाने के लिए वे क्या करने को कहते हैं ? [3]
4. अर्थ लिखिए—
धौरी, बेनी, सुत, उर, धरनी, कंठ [3]

प्रश्न 9. सात समंद की मसि करौं, लेखनि सब बनराय ।
सब धरती कागद करौं, हरि गुन लिखा न जाय ।।

1. 'सात समंद की मसि करौं' का अर्थ लिखिए। [2]
2. लेखनी किसे बनाया जाएगा और क्यों ? [2]
3. कवि किस पर हरि की कथा लिखने के बारे में कहते हैं और क्यों ? [3]
4. अर्थ लिखिए—
समंद, मसि, बनराय, लेखनि, कागद, गुन [3]

प्रश्न 10.

बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की
'बरस बाद सुधि लीन्हीं'
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।
क्षितिज अटारी गहराई दामिनी दमकी,
'क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की'

1. कवि ने बूढ़े पीपल को किसका प्रतीक बताया है और क्यों ?
2. लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों ?
3. यहाँ किसके भरम की गाँठ खुल गई और कैसे ?
4. अर्थ लिखिए—
अटारी, हरसाया, सुधि, अकुलाई, जुहार, दामिनी

[2]

[2]

[3]

[3]